Bhagirathi B.S.S.S. School

Sub - Sanskrit (ज)

Class - VIII

नोट :- सभी छात्र यह कार्य अपनी कापी में लिखें व याद करें।

पाठ - 2 (शब्दरूपावली)

स्मरणीय-बिन्दु

1. शब्दों के रूप बनाने से पहले विभक्ति के चिह्नों को अच्छी तरह से याद कर लेना चाहिए जो आप पहले कक्षा में सीख चुके हैं।
2. शब्द सामान्यतः तीन प्रकार के होते हैं - संज्ञा शब्द, सर्वनाम तथा संख्यावाचक शब्द।
3. 'अ' में अंत होने वाले शब्द अकारान्त, 'आ' में अंत होने वाले शब्द 'आकारान्त', 'इ' में अंत होने वाले शब्द 'इकारान्त' आदि कहलाते हैं।
4. सामान्यतः अकारान्त शब्द पुल्लिंग होते हैं तथा 'आकारान्त शब्द' स्त्रीलिंग।
5. तृतीया, चतुर्थी, पंचमी वि० के द्विवचनों के तथा षष्ठी और सप्तमी वि० के द्विवचनों के रूप समान होते हैं।
6. इसी प्रकार चतुर्थी तथा पंचमी के बहुवचनों के रूप समान होते हैं।
7. सर्वनाम शब्दों के संबोधन रूप नहीं होते।
8. नपुंसकलिंग शब्दों के प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति के रूप समान होते हैं।
9. नपुंसकलिंग शब्दों के रूप तृतीया से सप्तमी तक पुल्लिंग शब्दों के रूपों के समान होते हैं।
10. अलग- अलग लिंगों के रूप अलग-अलग बनते हैं।
11. सर्वनाम शब्दों के रूप, तीनों लिंगों में अलग- अलग बनते हैं।
12. सर्वनाम तथा विशेषण शब्दों के सम्बोधन रूप नहीं होते।

Scanned with CamScanner

13. नपुंसकलिंग शब्दों के रूप तृतीया से सप्तमी तक पुल्लिंग शब्दों के रूपों के समान होते हैं।

14. 'ऋ', 'र' तथा 'ष' के बाद यदि 'न' आए तो उसका 'ण' हो जाता है।

15. 'अस्मद्' तथा 'युष्मद्' सर्वनाम शब्दों के रूप पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग दोनों में समान होते हैं।

उकारान्त पुल्लिंग शब्द 'भानु' (सूर्य)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	भानुः	भानू	भानवः
द्वितीया	भानुम्	भानू	भानून्
तृतीया	भानुना	भानुभ्याम्	भानुभिः
चतुर्थी	भानवे	भानुभ्याम्	भानुभ्यः
पंचमी	भानोः	भानुभ्याम्	भानुभ्यः
षष्ठी	भानोः	भान्वोः	भानूनाम्
सप्तमी	भानौ	भान्वोः	भानुषु
सम्बोधन	हे भानो!	हे भानू!	हे भानवः!

गृह-कार्य :- इकारान्त स्त्रीलिंग शब्द 'मति' (बुद्धि) के शब्द रूप अपनी 7 की संस्कृत व्याकरण की पुस्तक की सहायता से कॉपी में लिखें व याद करें।

Scanned with CamScanner